नगर परिषद मझौली अध्यक्ष पद की निर्वाचन प्रक्रिया स्थगित

उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश पर पूर्व अध्यक्ष शंकर प्रसाद गुप्ता को पुन : अध्यक्ष पद का पदभार ग्रहण करने के निर्देश

नवभारत न्यूज

सीधी 19 दिसम्बर। उपखण्ड अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर नगर परिषद मझौली ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के ज्ञाप दिनांक 19.12.2025 द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के सिविल रिवीजन क्रमांक 1110/2025 1134/2025 एवं 1135/2025 में पारित आदेश दिनांक 18.12.2025 के अनुपालन में नगर परिषद मझौली जिला सीधी के पूर्व अध्यक्ष शंकर प्रसाद गुप्ता को पुनः अध्यक्ष पद का पदभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

उक्त न्यायालयीन आदेश के फलस्वरूप नगर परिषद मझौली का अध्यक्ष पद रिक्त नहीं होने की स्थिति निर्मित होने से अध्यक्ष पद हेतु प्रचलित निर्वाचन प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से स्थगित किए जाने के निर्देश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रसारित किए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के उक्त निर्देशों तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन जिला सीधी के आदेश दिनांक 19.12.2025 के अनुक्रम में नगर परिषद मझौली के अध्यक्ष पद की प्रचलित निर्वाचन प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दी गई है।

चुनाव प्रसार पर लगा पूरी तरह विराम

उच्च न्यायालय जबलपुर का फैसला गुरूवार की शाम आते ही चुनाव प्रचार की सरगर्मी पर भी पूरी तरह से विराम लग गया। अध्यक्ष पद के लिये जारी उप निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी तरह से स्थगित हो गई। पूर्व अध्यक्ष शंकर प्रसाद गुप्ता फिर से अध्यक्ष पद की बागडोर संभालेंगे। दरअसल उच्च न्यायालय जबलपुर ने सिविल रिवीजन नम्बर 1110/2025 जिसमें याचिकाकर्ता शंकर प्रसाद गुप्ता विरूद्ध लवकेश सिंह व अन्य के प्रकरण में न्यायाधीश विवेक जैन की बेंच में जो प्रकरण चल रहा था उसमें फैसला सुरक्षित रखा गया था। जबकि उप चुनाव के लिये चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम निर्धारित कर आदेश जारी कर दिया गया था। जिसके अनुसार 18 दिसम्बर को नामांकन वापस करने एवं चुनाव चिन्ह वितरण करने के लिये तिथि निर्धारित की गई थी। ऐन मौके पर उच्च न्यायालय का फैसला आने से चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई।

स्वान अपोलो को दी गई विदाई

नवभारत न्यूज

सीधी 19 दिसम्बर। संजय टाइगर रिजर्व सीधी अंतर्गत सेवा रथ डाक अपोलो को परिषद कार्यों के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार गुरुवार को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम के लिए स्वान अपोलो को भारमुक्त किया गया।

अपोलो ने संजय टाइगर रिजर्व में पिछले 9 वर्षों से लगातार अपनी सेवाएं दी। इस दौरान अपोलो ने वन्य जीव अपराध एवं अन्य चोरी डकैती के प्रकरण में 99.99 प्रतिशत सफल ट्रैक किया। जिसके तारतम्य में भारमुक्त से पूर्व शासकीय सम्मान के साथ अपोलो डाग को विदाई दी गई। विदाई समारोह का आयोजन कैलाश बामनिया परिक्षेत्राधिकारी वस्तुओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नरेन्द्र रवि सहायक संचालक मझौली उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान दाग अपोलो को कंबल एवं हैंडलर गगन सिंह एवं रवि सिंह को शाल देकर सम्मानित किया गया।

खेल देश के लिए सम्मान अर्जित करने का है माध्यम : नीरज

नवभारत न्यूज

सीधी 19 दिसम्बर। नगर के श्री गणेश हायर सेकेण्डरी स्कूल अमहा के होनहार खिलाड़ी आदित्य सिंह गुना जिले में आयोजित होने जा रही 69वीं राष्ट्रीय शालेय 14 वर्ष आयु वर्ग बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भाग लेने शुक्रवार को अमहा स्थित विद्यालय से रवाना हुए।

यह प्रतियोगिता 26 से 31 दिसम्बर तक तक गुना में आयोजित होगी, जिसमें आदित्य मध्य प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रवक्ता राजकपूर चितेरा ने बताया कि प्रतियोगिता से पूर्व वह 20 से 25 दिसम्बर तक गुना जिले में ही आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। आदित्य को यह सफलता उनके समर्पण, निरंतर अभ्यास और उनके प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन से मिली है। आदित्य व उनके कोच सूरज शुक्ल की मेहनत की सराहना करते हुए संस्था के संचालक नीरज शर्मा ने कहा कि खेल न केवल अनुशासन और आत्मविश्वास सिखाते हैं बल्कि देश के लिए सम्मान अर्जित करने का भी माध्यम हैं। इस अवसर पर सहायक निदेशक अरुण ओझा, प्राचार्य जे.एन.मिश्र, हेडमास्टर पुष्पराज मिश्र, सतीश तिवारी, ए.के.नवैत, विनायक पाण्डेय सहित समस्त स्टाफ ने शुभकामनाएं देकर रवाना किया।

बेहतर कार्य करने वाले नगर पालिका वार्ड प्रभारियों का उपाध्यक्ष ने किया सम्मान

- लोक अदालत में अब तक की सबसे बड़ी वसूली पर जताया हर्ष

नवभारत न्यूज

सीधी 19 नवम्बर। नगर पालिका परिषद सीधी के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी कर वसूली की राशि यह बताती हैं कि नगर परिषद के सभी वार्ड प्रभारियों ने अपनी सेवा के प्रति समर्पण का भाव दिखाया है। अपनी अपनी जिम्मेवारियों को लेकर जिस तरह बढ़-चढ़कर नपा कर्मचारियों ने राजस्व वसूली का कार्य किया है उसके लिए यह सभी सम्मान के हकदार हैं।

उक्त बातें नपा उपाध्यक्ष दान बहादुर सिंह चौहान ने वार्ड प्रभारियों को स्वयं के व्यय पर एक निश्चित

सम्मान स्वरूप नगद राशि के साथ अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करते हुए कहा है। उन्होंने कहा कि नगर की संभ्रांत जनता जनार्दन ने हमारे कर्मचारी साथियों का सहयोग करते हुए नगर के विकास में अपना अपना अमूल्य सहयोग बतौर टैक्स राशि की अदायगी के रूप में की हैं। जिनके द्वारा लंबे समय से नगर पालिका के विभिन्न बकाया करो की राशि किन्हीं कारणों से नहीं जमा की जा रही थी उन्हें छूट के साथ राशि जमा करने के लिए जिला न्यायालय में आयोजित हुई लोक अदालत के माध्यम से बुलाया गया था यह सभी वार्ड प्रभारी इसलिए भी सम्मान के पात्र हैं कि उनके द्वारा वकाया वसूली की राशि न जमा करने वाले नगर वासियों को लोक अदालत में उपस्थित कराते हुए अच्छी खासी राशि संग्रह की हैं। उपाध्यक्ष ने यह भी कहा कि जिन कर्मचारियों के द्वारा बेहतर कार्य किया जाता है उनका सम्मान करना चाहिए, इससे एक तरफ उनका कार्य के प्रति और उत्साह बढ़ता है दूसरी तरफ जो कर्मचारी साथी अपने कार्य के प्रति शिथिलता बरतते हैं उनके अंदर भी अपनी सेवा को सुधारने की सोच जागृति होती हैं। इस दौरान जिले के वरिष्ठ समाजसेवी एवं संविदाकार रामदुलारे चतुर्वेदी भी मौजूद रहे।

इन कर्मचारियों का किया गया सम्मान

नगर पालिका परिषद सीधी के वार्ड प्रभारियों द्वारा लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न मद की वकाया वसूली करीब 28 लाख रुपए एक दिन में जमा कराई गई हैं जिन्हें नगर पालिका परिषद सीधी के उपाध्यक्ष दान बहादुर सिंह चौहान द्वारा सम्मानित किया गया है। सम्मानित होने वाले कर्मचारियों में ललोहर साहू, वंशराज सिंह, अजीत सिंह चौहान, बृजेश सिंह गोरे, अरविंद पाठक, लालजी सिंह, रामू नापित, महेन्द्र सिंह, जय प्रकाश सिंह, अमरेंद्र पटेल, दिनेश पाण्डेय जलकर प्रभारी, विकाश सिंह कम्प्यूटर ऑपरेटर को सम्मानित किया गया है।

जिला जेल सीधी में मानवाधिकार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

सीधी 19 दिसम्बर। भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग चंद्रवंशी और प्रदेश प्रभारी चंद्रकला विश्वकर्मा के निर्देशानुसार जिला जेल सीधी में मानवाधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि जिला जेल उमरिया के जेल अधीक्षक डी.के.सरस द्वारा कहा गया कि कारागार के अंदर भी मानव के अधिकार हैं जैसे सामाजिक समन्वय बनाए रखने के लिए पैरोल की व्यवस्था होती है यह भी मानवाधिकार है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला जेल सीधी के जेल अधीक्षक रविशंकर सिंह द्वारा कहा गया कि मानव अधिकारों की रक्षा ही मानवाधिकार है। इसको ध्यान में रखकर अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कल्याण सचिव डॉ.अजय चौधरी द्वारा स्वस्थ जीवन के लिए योग पर विशेष बल देते हुए योगाभ्यास कराया गया और जड़ी बूटियां के बारे में बताया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश कल्याण सचिव राकेश मौर्य द्वारा मानवाधिकार के बारे में वृहद जानकारी प्रदान करते हुए कैदियों के बताया गया कि जेल के अंदर भी कैदियों के क्या-क्या अधिकार हैं। भारतीय संविधान में 6 मौलिक अधिकार हैं परंतु कर्तव्य 11 हैं, जो व्यक्ति अधिकारों और कर्तव्यों को ध्यान में रखकर जीवन जीता है वह कभी अपराधी नहीं हो सकता। प्रदेश कार्यक्रम सचिव रामेश्वर पाण्डेय द्वारा किया गया की कैदियों को कारागार को सुधार गृह मानकर सुधार का अवसर मानना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से जेलर कृष्ण कुमार तिवारी, प्रभारी यज्ञ नारायण सोनी, जिला प्रभारी गोविंद द्विवेदी, जिला मीडिया सचिव अरुण द्विवेदी, डॉ.रजनीश गुप्ता, संदीप कुमार पटेल, योगेश पटेल सहित जेल स्टाफ और बंदी उपस्थित रहे।

संयुक्त संचालक रीवा ने जिले के प्राचार्यों की ली समीक्षा बैठक

सीधी 19 दिसम्बर। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा संभाग नीरव दीक्षित द्वारा सीधी जिले के समस्त प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणामों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा सत्र 2025-26 में शैक्षणिक गुणवत्ता एवं परीक्षा परिणाम में और अधिक सुधार लाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। संयुक्त संचालक श्री दीक्षित ने एक-एक प्राचार्य से संवाद करते हुए निर्देशित किया कि सभी विद्यालयों में नियमित रूप से न्यूनतम दो पीरियड अध्यापन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा शिक्षकों द्वारा दिए गए गृहकार्य की अनिवार्य जांच की जाए। उन्होंने कहा कि सीधी जिले का परीक्षा परिणाम पहले से ही सराहनीय है, किन्तु अब लक्ष्य यह होना चाहिए कि अधिक से अधिक विद्यार्थी मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करें। उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाइल की लत से दूर रखने, रिमेडियल कक्षाओं के नियमित संचालन, परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन तथा 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही सभी बीईओं एवं प्राचार्यों को ई-अटेंडेंस अनिवार्य रूप से लागू करने तथा ऑपरेशन निखार के अंतर्गत कक्षाओं का नियमित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपार्जन कार्य में लापरवाही पर होगी कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही : सोमवंशी

- दो दिन में 80 प्रतिशत धान परिवहन नहीं हुआ तो होगी कड़ी कार्रवाई

नवभारत न्यूज

सीधी 19 दिसम्बर। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उपार्जन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत धान उपार्जन, भंडारण एवं परिवहन के प्रगति की गहन समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने उपार्जन कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कड़ा असंतोष व्यक्त करते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले के समस्त धान उपार्जन केन्द्रों का रोस्टर तैयार कर नियमित निरीक्षण कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही अथवा मनमानी पाई गई तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेकर बिना विलंब कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दो दिवस के भीतर उपार्जित धान को रेडी टू ट्रांसपोर्ट स्थिति में लाकर कम से कम 80 प्रतिशत परिवहन अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। इस संबंध में 22 दिसम्बर को आयोजित आगामी टीएल बैठक के पश्चात परिवहन की विशेष समीक्षा की जाएगी। भंडारण व्यवस्था पर सख्त निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि उपार्जन अवधि तक चिन्हित सभी गोदाम प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक अनिवार्य रूप से खुले रहेंगे। जो गोदाम प्रभारी समय पर गोदाम नहीं खोलेंगे, उनके विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। प्रत्येक धान उपार्जन केन्द्र पर नियुक्त नोडल अधिकारी की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिससे उपार्जन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही की संभावना न रहे। यह भी निर्देशित किया कि जिन उपार्जन केन्द्रों में खरीदी गई मात्रा और रेडी टू ट्रांसपोर्ट धान की मात्रा में 6000 क्विंटल या उससे अधिक का अंतर पाया गया है, उन केन्द्र प्रभारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि धान उपार्जन शासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या ढिलाई को गंभीर कदाचार मानते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में अद्यतन स्थिति की गई प्रस्तुत

बैठक में प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर प्रियल यादव द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत की गई। उन्होंने जानकारी दी कि जिले में कुल 30697 कृषक पंजीकृत हैं जिनमें से 25670 कृषकों द्वारा स्लॉट बुकिंग कराई गई है। अब तक 9522 कृषकों से धान उपार्जन किया जा चुका है। कुल 556073 .47 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है जिसमें से 386868 .92 क्विंटल धान रेडी टू ट्रांसपोर्ट है। इसके विरुद्ध अब तक 226004 .86 क्विंटल धान का परिवहन किया गया है जो कुल का मात्र 58 .42 प्रतिशत है। मिलिंग हेतु 163694 .52 क्विंटल मात्रा स्वीकृत की गई है जिसके विरुद्ध डब्ल्यूएचआर भी 163694 .52 क्विंटल दर्ज है। उन्होंने बताया कि अब तक कृषकों को 23 .52 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है तथा 28 .59 करोड़ रुपये के ईपीओ जारी किए गए हैं।

जिन्होंने भगवान की कथा नहीं सुनी उनके कर्म सर्पों के बिल के समान : मुरलीधर

नवभारत न्यूज

बघवार 19 दिसम्बर। श्रीराम कथा का श्रवण करने वाले श्रद्धालुओं के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। श्रीराम कथा को इसीलिए सकल लोक पावन गंगा माना गया है। जिले के ग्राम कपुरी कोठार भरतपुर में चल रही श्रीराम कथा में प्रवचन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय कथाव्यास संत मुरलीधर जी महराज ने कहा कि मनुष्य का शरीर पाकर जिन्होंने भगवान श्री राम की कथा नहीं सुनी उनके काम सर्पों के बिल के समान हैं।

वहीं इन आंखों से जिसने संतों के दर्शन नहीं किए उनकी आंख मोर पंख में बनी आंख के समान है। कथाव्यास ने कहा कि श्रीराम कथा का श्रवण करने से मनुष्य की अंतरात्मा जागृत हो जाती है। वह पाप और पुण्य को अच्छे से समझने के काबिल हो जाता है। भगवान शिव एवं उमा प्रसंग की चर्चा करते हुए कथाव्यास ने कहा कि उमा एक बार काफी गौर से बहुत देर से भगवान शिव को देख रही थीं। इसके बाद उमा ने कहा कि यदि आप हम पर प्रसन्न हैं तो मेरे अज्ञान को हरें और श्री राम की कथा सुनाइये। श्री राम की कथा को विस्तार पूर्वक उनके जन्म से लेकर राम राज्य तक की कथा को सुनाएं। यह सुनकर भगवान शिव काफी प्रसन्न हुए और उन्होने कहा कि तुम धन्य हो जो श्री राम की कथा का श्रवण करने के लिए कह रही हो। श्री राम की कथा को सुनने से समूचे ब्रम्हांड का कल्याण होगा। इसी वजह से श्रीराम कथा से समूचे जगत का कल्याण हमेंशा होता रहेगा। कथाव्यास द्वारा काफी रोचक अंदाज में श्रीराम कथा के विविध प्रसंगों का वर्णन किया जा रहा है। उनकी कथा की ख्याति भरतपुर अंचल में काफी दूर-दूर तक फैलने के कारण हजारों की संख्या में श्रद्धालु कपुरी कोठार में कथा का रसपान करने के लिए दोपहर 12 बजे के पहले ही पहुंच जाते हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते सर्व समाज वरिष्ट नागरिक सेवा समिति सगौनी द्वारा भारी इंतजाम किए गए हैं। जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर वरिष्ठ संविदाकार एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष कृष्णदेव सिंह केडी, जिपं सदस्य श्रीमती मीनू सिंह, अखिलेश पाण्डेय, ऋषिराज मिश्रा उपाध्यक्ष जपं रामपुर नैकिन, शिवेंद्र सिंह, उमेश सिंह, प्रदीप सिंह, वसुधा सिंह सरपंच भरतपुर, श्रीमती दीपिका सिंह, श्रीमती चित्रा सिंह, अनोखेलाल सिंह, एड. केपी सिंह, अनुराग सिंह, सतीष सिंह, रंजना मिश्रा, त्रिपाठी जनपद सदस्य, पंकज सिंह, शशिभूषण तिवारी, अरविंद सिंह, दिवाकर तिवारी, महेन्द्र पाण्डेय, सुधाकर द्विवेदी, राजेश सिंह, हंसराज सिंह, राम लखन कोरी, अनिल सिंह, सुरेश उपाध्याय, छोटेलाल पाण्डेय, रामलखन गुप्ता, रावेन्द्र सिंह, जीतेन्द्र सिंह, गोविंद गुप्ता, संदीप सिंह, नरेश सिंह, राजेश पाण्डेय, सुधार पाण्डेय, हीरालाल पाण्डेय, पवन तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

उपार्जन केन्द्रों को स्कंध सुरक्षित रखने एवं त्वरित परिवहन के निर्देश

नवभारत न्यूज

सीधी 19 दिसम्बर। उप आयुक्त सहकारिता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला उपार्जन समिति जिला सीधी की बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्र प्रभारी आगामी दो दिवसों में शत-प्रतिशत उपार्जित स्कंध का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करेंगे।

इसी प्रकार समिति स्तरीय उपार्जन केन्द्रों द्वारा आगामी दो दिवसों में उपार्जित स्कंध को रेडी टू ट्रांसपोर्ट स्थिति में रखते हुए परिवहन हेतु केन्द्रों पर पहुंचने वाले वाहनों को प्राथमिकता के आधार पर लोडिंग कराई जाएगी। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए उपार्जित स्कंध को सुरक्षित रखने के समुचित प्रबंध भी सुनिश्चित किए जाएंगे। उन्होंने समस्त समिति प्रबंधक एवं उपार्जन केन्द्र प्रभारी, आदिम जाति/सेवा सहकारी समिति मर्यादित को निर्देशित किया है कि आगामी दो दिवसों के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा की गई कार्यवाही से समिति को अवगत कराएं।

माध्यमिक शाला कंजवार बना खंडहर से नवाचार तक सीखने का राष्ट्रीय मॉडल

बैगलेस शनिवार बना सीखने का उत्सव, क्यूआर कोड से डिजिटल और पर्यावरणीय शिक्षा का समन्वय

नवभारत न्यूज

सीधी 19 दिसम्बर। कभी बंद होने के कगार पर खड़ी शासकीय माध्यमिक शाला कंजवार आज नवाचार, सहभागिता और परिणाम आधारित शिक्षा का ऐसा उदाहरण बन चुकी है जिसकी चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है। यह परिवर्तन शिक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व, अथक प्रयास और समाज के सहयोग से संभव हो सका है।

विद्यालय को भयमुक्त, स्वच्छ और आनंददायी वातावरण में बदलते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। विद्यालय परिसर में बिरसा मुंडा उद्यान की स्थापना, क्यूआर कोड युक्त फलदार एवं छायादार 500 से अधिक पौधों का रोपण,

जन्मदिन पर बच्चों व ग्रामीणों द्वारा पौधारोपण तथा पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी बच्चों को सौंपना इन प्रयासों ने बच्चों को प्रकृति से भावनात्मक रूप से जोड़ा। बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को मजबूत करने के लिए विद्यालय में एक अनूठा प्रयोग किया गया। हर शनिवार बैगलेस डे के रूप में मनाया जाता है जिसमें कक्षा 1 से 8 तक के 176 विद्यार्थी बिना बैग के विद्यालय आते हैं। विद्यालय परिसर में निर्मित लगभग 400 एसीपी शीट से बने गेम प्लेस पर 4000 से अधिक शैक्षणिक जानकारियां अंकित हैं।

बच्चे अपनी रुचि के अनुसार हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, पर्यावरण जैसे विषयों को खेल-खेल में सीखते हैं और उसे अपने वास्तविक जीवन से जोड़ते हैं। विद्यालय परिसर के पौधों पर लगाए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर बच्चे पौधों के नाम, उपयोग और पर्यावरणीय महत्व की जानकारी प्राप्त करते हैं। यह पहल आईसीटी आधारित शिक्षा को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने का सशक्त उदाहरण है। इन नवाचारों का सीधा असर विद्यालय की उपस्थिति, नामांकन और शैक्षणिक गुणवत्ता पर पड़ा है।

आज स्थिति यह है कि दूसरे गांवों से भी अभिभावक अपने बच्चों का प्रवेश यहां करा रहे हैं। विद्यालय के बच्चों का चयन विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में होना इस परिवर्तन की सफलता को प्रमाणित करता है।

राष्ट्रीय स्तर पर अनुकरणीय परिवर्तन

जो विद्यालय कभी जर्जर अवस्था में था और बंद होने की स्थिति में पहुंच गया था वही विद्यालय आज राष्ट्रीय स्तर पर अपनाए जाने योग्य नवाचारों का मॉडल बन चुका है। शिक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह का यह प्रयास यह सिद्ध करता है कि प्रतिबद्ध नेतृत्व, नवाचार और समाज की भागीदारी से सरकारी विद्यालयों की तस्वीर बदली जा सकती है।